



પદિત દીનદયાલ ઉપાધ્યાય

કી મનાઈ જયંતી

વિશ્રામપુર। વિશ્રામપુર ભાજપા

કાર્યાલય મેં પદિત દીનદયાલ

ઉપાધ્યાય કી જયંતી સમારોહ

સમાવર કી મનાઈ ગઈ। સમારોહ

કી અધ્યક્ષતા નાના રામ વ

સંચાલન સંતોષ ગુણા ને કિયા।

ઉસસે પૂર્વ ભાજપા કાર્યક્રમાં

ને પદિત દીનદયાલ ઉપાધ્યાય કી

ચિત્ર પર માલ્યાર્થન કરતું હો

નમન કિયા ગયા સમારોહ મેં

ભાજપા જિલ્લા ઉપાધ્યક્ષ સહ

વિધાયક જિલ્લા પ્રથમાં રામચંદ્ર

યાદવ ને પદિત દીનદયાલ કી

જાયંતી પર લોગો કી વિસ્તૃત

જાનકારી દીવાં હી ભાજપા નેતા

બબન રામ ને કહા કી શ્રી

ઉપાધ્યાય પ્રખ્ય રાષ્ટ્રવાદી

વ રાજ નેતા થી। મૌકે પર વિધાયક

પ્રતિનિધિત્વ રાજન પાંડેય, ભાજપા

નેતા ઇંદ્રો હવારી, મહારાંની મનીષ

કુમાર ગુણા, ભાજપા નેતા શિવાંસ

મિશ્રા, ઉપાધ્યક્ષ, બેંબી દેવી, રજાનીશ

ચંદ્રવર્ણી સહિત કાઈ લોગ મૌજૂદ

થે।

વાર્ડો મેં અવસ્થિત

શૈચાલયો મેં ચલ

વિશેષ સફાઈ

અભિયાન

સાથે એસેસ્પેસ નેતા

## NEWS इन ब्रीफ

झामुमो की जिला सचिव ने साझी वितरण के साथ दी करमा की शुभकामना

मेदिनीनगर। करमा पर्व के शुभ अवसर पर छारखंड पश्चिम के जिला परिषद सदस्य सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के महिला जिला सचिव सजू जयसवाल ने छारखंड प्रबंध के आदिम जनजाति गांव लोटो, असर एवं सांस्कृतिक वितरण करते हुए करमा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम में पूर्व उप प्रमुख सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के महिला जिला अध्यक्ष रंजीत जयसवाल उर्फ़ फॉटो जयसवाल के सभी को करमा पर्व की शुभकामना देते हुए कहा कि पलामू जिला के साथ साथ पुरे झारखंड में झामुमो को मजबूत करना है। इस कार्यक्रम में झामुमो महिला जाती लड़की देवी, सुनीता देवी, समुद्र देवी, सर्वामन्त्री देवी, किसमतीया देवी, के साथ सेकड़ी महिला कार्यकर्ता एवं राधेकृष्णा यादव आदि उपस्थित थे।

## भाजपा कार्यालय में मनी पंडित दीनदयाल की जयंती एकात्म मानववाद ही राष्ट्र का मूल मंत्र : श्याम नारायण

### पंडित दीनदयाल का एकात्म मानववाद ही राष्ट्र का मूल मंत्र है

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भाजपा के जिला कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याक्षी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा के नेता व कार्यकर्ताओं ने पंडित जी की तस्वीर पर पूजांजलि अर्पित कर उड़वें नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के जिला अध्यक्ष विद्यावान दाठक पाठक ने की। मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता श्याम नारायण दुबे ने कहा कि पंडित दीनदयाल का एकात्म मानववाद ही राष्ट्र का



मूल मंत्र है। राष्ट्रीयता के प्रतीक पंडित जी के विचार आज भी के लिए भाजपा के सभी कार्यकर्ता प्रतिबद्ध हैं, क्योंकि उन्हीं के बातें मार्ग का अनुसरण कर आगे बढ़ने से समाज और देश मजबूत होगा

और उनके सपनों के भारत का नव निर्माण होगा। परशुराम ओड़ा, विपिन बिहारी सिंह, अमित तिवारी, नंदें पाडे एवं सांसद पलामू विष्णु दलाल नाम से भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में धर्मेंद्र उपाध्याय, सुरेंद्र विश्वकर्मा, शिवकुमार मिश्र, संजय सिंह, बंशी सिंह, अधिमन्त्री तिवारी, ज्योति पांडे, सुधीर प्रसाद, प्रदीप सिंह, प्रवीन सिंह, निरंजन पासवान, निवेदन अग्रवाल, नवीन पांडे, अभ्यु कुमार सिंह, जिंद्र तिवारी, विजय ओड़ा, विश्वाकर्मा पांडे, अविवास वर्मा, प्रमोद सिंह, ईश्वरी पांडे, सोमेश सिंह, रीना किशोर मंजू गुप्ता आदि उपस्थित थे।

## पांकी में भाजपा की बैठक संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पांकी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रबंध नीलाम्बर पीताम्बरपुर मौर्चा काम द्वारा में सभी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के साथ बैठक की गया। नीलाम्बर-पिताम्बरपुर की पावन धरती पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का आगमन 3 अक्टूबर को पांकी विधानसभा क्षेत्र में होने जा रहा है। जिसके निमित्त पुराना प्रखंड कामालय परिसर, नीलाम्बर पिताम्बरपुर में जनसभा का आयोजन किया गया। इस बैठक में भाजपा पलामू जिला उपाध्यक्ष अरविंद प्रसाद गुप्ता, नीलाम्बर पीताम्बरपुर प्रखंड के भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं मंच सचिलन करता तिवारी, मनातू



जिला भोलानाथ साव, जिंद्रें मेहता, जयकिशोर प्रसाद गुप्ता, संजय चंद्रवर्षी, शंकर सुकला, चंदन सिंह, विश्व लिंग, समाजसेवी अजय पासवान, प्रसिद्ध सिंह, चंदन सोनी, सुधीर तिवारी, अखिलेश चंद्रवर्षी, राजेंद्र सिंह चेरो, अधिवक्ता लाला प्रसाद यादव, पांकी के भाजपा मंडल अध्यक्ष शश्वत सिंह, भाजपा के श्याम ओड़ा, नीलाम्बर पीताम्बरपुर प्रखंड के भाजपा मंडल अध्यक्ष अजीत प्रसाद गुप्ता, भाजपा के विनोद कुमार राम बैठक में कई लोग उपस्थित रहे।

## झारखंड की सांस्कृतिक पहचान है करमा पूजा : उदय

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। करमा पूजा के अवसर पर बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के कार्यालय में विचार गोड़ी आयोजित की गई। अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदव राम ने की। सर्वप्रथम पाहन द्वारा करम डाल की पूजा कराई गई। मौके पर मोर्चा अध्यक्ष उदव राम ने कहा कि करमा झारखंड की सांस्कृतिक पहचान है। आदिवासी समाज की पहचान प्रकृति पूजा के रूप में है, लेकिन पढ़े लिखे लोग अपनी परपत एवं संस्कृति की रक्षा करने की जगह पश्चिम सभ्यता के अपना जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशा पान और अशिक्षा को दूर करना युवा वर्ग को जिम्मेदारी है। करमा पर्व प्रकृति से जुड़ा पर्व है। जंगल की



रक्षा, आपसी एकता, प्रेम व सौहार्द करमा पर्व का मुख्य संदेश है संजय उदव ने कहा कि आदिवासी परपत पव संस्कृति को बचाने के बाहर इलाज करना है। वहाँ बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल के देखितकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रिस्पे रेफर किया है। परंतु जो औरत बच्चे के साथ अस्पताल आई है उसका कहना है कि वहि हम इस बच्चे का इलाज करने के लिए रांची चले जाते हैं तो मेरे पास पैसा भी नहीं है और मेरे भी दो दो बच्चे हैं उनका देखरेख करना कठिन है। अब बच्चा भगवान के भरोसे है।

## आकर्ष आनंद बने रीजनल उपाध्यक्ष, व्यवसायियों ने दी बधाई

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रांची में हुए झारखंड चैबर के चुनाव में आकर्ष आनंद चैबर के झारखंड चैबर, ऑफ कॉर्मस एंड इंडस्ट्रीज के रीजनल उपाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने जाने पर पलामू चैबर, ऑफ कॉर्मस एंड इंडस्ट्रीज, लातेहार चैबर, गढ़वा चैबर, नार चैबर, मेदिनीनगर चैबर, लायस चैबर, रोटरी चैबर एवं कई संसाधों के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने बधाई दी है। इस अवसर पर चैबर के विरोध सदस्य कृष्णा अग्रवाल ने कहा आकर्ष आनंद को बधाई देते हुए कहा और भी युवक व्यवसाई घरने के अगे आए हम सभी का हमेशा मार्गिर्णन मिलेगा। चार्टर्ड अकाउंटेंट सरस जैन ने भी आकर्ष आनंद को बधाई दी। डालटनगंज चैबर के अध्यक्ष विनोद उदयपुरिया ने कहा मैं हमेशा से युवाओं को आगे लाने का समर्पक रहा हूं। यही समाज के भविष्य है, हमारा चैबर परिवार हमेशा इनके साथ रहेगा।



खड़ा रहेगा व्यावसायिक संघ के अध्यक्ष प्रभात अग्रवाल ने कहा समाज में युवा का प्रतिविवर बढ़ाना चाहिए वही कल के भविष्य है। समाजसेवी नवल तुलस्यान ने आकर्ष आनंद को बधाई देते हुए कहा और भी युवक व्यवसाई घरने के अगे आए हम सभी का हमेशा मार्गिर्णन मिलेगा। चार्टर्ड अकाउंटेंट सरस जैन ने भी आकर्ष आनंद को बधाई दी। डालटनगंज चैबर के अध्यक्ष विनोद उदयपुरिया ने कहा मैं हमेशा से युवाओं को आगे लाने का समर्पक रहा हूं। यही समाज के भविष्य है, हमारा चैबर परिवार हमेशा इनके साथ रहेगा।

## अम्बेडकर राष्ट्रीय अधिवक्ता संघ का प्रशिक्षण शिविर संपन्न



नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर अस्पताल में पिछड़े अनाथ बच्चे के इलाज के लिए मदद की गुहार। इसके पूरे अस्पताल में विचार जाति का एक अनाथ बच्चा जिंदगी और मौत से ज़्यादा रहा है। उसके पूरे शरीर में पानी भर गया है। चिकित्सकों के बेहद प्रयास से कुछ हद तक उसके पेट से पानी का बाहर निकाला गया है। इसके बाद भी उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। सदर में अस्पताल में इलाज का उसका आज तीसरा दिन है। बच्चे के साथ एक गांव की महिला है जो साथ में रह रही है। बाकी अनाथ बच्चे का दवा और इलाज एक पत्रकर द्वारा कराया जा रहा है। वहाँ बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए हुए सदर अस्पताल के देखितकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रिस्पे रेफर किया है। परंतु जो औरत बच्चे के साथ अस्पताल आई है उसका कहना है कि वहि हम इस बच्चे का इलाज करने के लिए रांची चले जाते हैं तो मेरे पास पैसा भी नहीं है और मेरे भी दो दो बच्चे हैं उनका देखरेख करना कठिन है। अब बच्चा भगवान के भरोसे है।



# विश्व पर्यटन दिवस 2023 की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार

**प्रकृति की हरियाली झारखण्ड की खुशहाली**

'विश्व पर्यटन दिवस 2023' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आपका हार्दिक स्वागत है।

दिनांक - 27.09.2023 | समय - अपराह्न 03:00 बजे  
स्थान - ऑड़े हाउस, रांची

पर्यटन, कला-संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड सरकार









## बालिका शिक्षा की बदहाली

हमारा समाज पुरुष-शासित है। यहां माना जाता है कि पुरुष बाहर जाएं तथा अपने परिवारों के लिए करमाएं। महिलाओं से अपेक्षा की जाती है कि वे घर में रहें और परिवार की देखभाल करें। पहले इस व्यक्तिया का समाज में सख्ती से पालन की जाता था। आज भी थोड़ी-बहुत ऐसी मानसिकता देखती है। जनसंख्या के मामले में भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा राष्ट्र है और भारत में लड़कियों की शिक्षा की दर बहुत कम है। लड़कों की तरह लड़कियों की भी विभिन्न प्रकार की शिक्षा देना जरूरी है। उनकी शिक्षा इस तरह से होनी चाहिए कि वे अपने कर्तव्यों को उत्तित तरीके से पूरा करने में सक्षम हो सकें। वह माता-पिता की भी जिम्मेदारी है कि वे सुनिश्चित करें कि उनकी कर्तव्यों भी अनिवार्य रूप से विद्यालय जाएं।

भारत के केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र

प्रधान ने हाल ही में ग्रामीण भारत में प्राथमिक शिक्षा की स्थिति 2023 रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में दिए गए आंकड़े स्पष्ट तौर पर बहुत बताते हैं कि भारत के गांवों में अब बालिका शिक्षा को लेकर उत्साह बढ़ रहा है। सर्वेक्षण में वह दावा किया गया है कि आज भारत के 78 प्रतिशत ग्रामीण माता, पिता चाहते हैं कि उनकी बेटी ब्रैजुलेशन या इससे अगे की पढ़ाई करे, जबकि 82 प्रतिशत अधिभावक अपने लड़कों को स्नातक या उससे अगे पढ़ाना चाहते हैं।

सर्वेक्षण में दिए गए आंकड़े भारत में बालिका शिक्षा को लेकर बदलते नजरिए को उजागर करते हैं, लेकिन देखा जाए तो आज भी देश की आधी आबादी की शिक्षिका करने और अधिक रूप से अमानिन्वासी बनाने की राह में तपाम चुनौतियां हैं। बच्चियों की पढ़ाई की राह नीति आसान आज भी नहीं है। इसी सर्वेक्षण में यह भी बताया गया है कि प्राथमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों में तीन चौथाई बालिकाएं और एक चौथाई बालक हैं, जो साफ तौर पर जाहिर करता है कि प्राथमिक स्तर पर गर्ल्स ड्रॉपआउट का अनुपात लड़कों की तुलना में ज्यादा है।

केवल यह बच्चियों की पढ़ाई की राह नीति आसान आज भी नहीं है। इसी सर्वेक्षण में यह भी बताया गया है कि आज भी देश की आधी आबादी की शिक्षिका करने और अधिक रूप से अमानिन्वासी बनाने की राह में तपाम चुनौतियां हैं। बच्चियों की पढ़ाई की राह नीति आसान आज भी नहीं है। इसी सर्वेक्षण में यह भी बताया गया है कि प्राथमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों में तीन चौथाई बालिकाएं और एक चौथाई बालक हैं, जो साफ तौर पर जाहिर करता है कि प्राथमिक स्तर पर गर्ल्स ड्रॉपआउट का अनुपात लड़कों की तुलना में ज्यादा है।

केंद्रीय शिक्षा विभाग की ओर से किए गए सर्वेक्षणों के आंकड़ों के अनुसार गांवों के लगभग 37 प्रतिशत माता-पिता ने इस बात को माना है कि परिवारिक कामों में हाथ बटाने के कारण इकाई बेटियों को पढ़ाई बीच में ही छोड़ना पड़ती है। इसके साथ ही 21.1 प्रतिशत अधिभावकों ने ये माना कि लड़की परिवार की धरेलू जिम्मेदारियों में अहम भूमिका निभाती है। मां के काम करने, बीमा रहने, छोटे बालों की देखभाल करने की जिम्मेदारी के कारण बेटियों अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती है।

केंद्रीय शिक्षा विभाग की ओर से किए गए सर्वेक्षणों के आंकड़ों के अनुसार गांवों के लगभग 37 प्रतिशत माता-पिता ने इस बात को माना है कि परिवारिक कामों में हाथ बटाने के कारण इकाई बेटियों को पढ़ाई बीच में ही छोड़ना पड़ती है। इसके साथ ही 21.1 प्रतिशत अधिभावकों ने ये माना कि लड़की परिवार की धरेलू जिम्मेदारियों में अहम भूमिका निभाती है। मां के काम करने, बीमा रहने, छोटे बालों की देखभाल करने की जिम्मेदारी के कारण बेटियों अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती है।

## अच्छा होगा पर्यावरण तो अच्छा होगा स्वास्थ्य

पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव

स्वास्थ्य से गहरा संबंध है। हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी जीवनीय हो जाएगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हार्दिक तरह तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए

पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रतिकृति के बारे में यह पर्यावरण हमें भोगता, काफी इत्याहु जिप्रियता के लिए स्कूल नहीं करते।

केंद्रीय शिक्षा विभाग की ओर से किए गए सर्वेक्षणों के आंकड़ों के अनुसार गांवों के लगभग 37 प्रतिशत माता-पिता ने इस बात को माना है कि परिवारिक कामों में हाथ बटाने के कारण इकाई बेटियों को पढ़ाई बीच में ही छोड़ना पड़ती है।

इसके साथ ही 21.1 प्रतिशत अधिभावकों ने ये माना कि लड़की परिवार की धरेलू जिम्मेदारियों में अहम भूमिका निभाती है। मां के काम करने, बीमा रहने, छोटे बालों की देखभाल करने की जिम्मेदारी के कारण बेटियों अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती है।

केंद्रीय शिक्षा विभाग की ओर से किए गए सर्वेक्षणों के आंकड़ों के अनुसार गांवों के लगभग 37 प्रतिशत माता-पिता ने इस बात को माना है कि परिवारिक कामों में हाथ बटाने के कारण इकाई बेटियों को पढ़ाई बीच में ही छोड़ना पड़ती है।

इसके साथ ही 21.1 प्रतिशत अधिभावकों ने ये माना कि लड़की परिवार की धरेलू जिम्मेदारियों में अहम भूमिका निभाती है। मां के काम करने, बीमा रहने, छोटे बालों की देखभाल करने की जिम्मेदारी के कारण बेटियों अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती है।

केंद्रीय शिक्षा विभाग की ओर से किए गए सर्वेक्षणों के आंकड़ों के अनुसार गांवों के लगभग 37 प्रतिशत माता-पिता ने इस बात को माना है कि परिवारिक कामों में हाथ बटाने के कारण इकाई बेटियों को पढ़ाई बीच में ही छोड़ना पड़ती है।

इसके साथ ही 21.1 प्रतिशत अधिभावकों ने ये माना कि लड़की परिवार की धरेलू जिम्मेदारियों में अहम भूमिका निभाती है। मां के काम करने, बीमा रहने, छोटे बालों की देखभाल करने की जिम्मेदारी के कारण बेटियों अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती है।

केंद्रीय शिक्षा विभाग की ओर से किए गए सर्वेक्षणों के आंकड़ों के अनुसार गांवों के लगभग 37 प्रतिशत माता-पिता ने इस बात को माना है कि परिवारिक कामों में हाथ बटाने के कारण इकाई बेटियों को पढ़ाई बीच में ही छोड़ना पड़ती है।

इसके साथ ही 21.1 प्रतिशत अधिभावकों ने ये माना कि लड़की परिवार की धरेलू जिम्मेदारियों में अहम भूमिका निभाती है। मां के काम करने, बीमा रहने, छोटे बालों की देखभाल करने की जिम्मेदारी के कारण बेटियों अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती है।

केंद्रीय शिक्षा विभाग की ओर से किए गए सर्वेक्षणों के आंकड़ों के अनुसार गांवों के लगभग 37 प्रतिशत माता-पिता ने इस बात को माना है कि परिवारिक कामों में हाथ बटाने के कारण इकाई बेटियों को पढ़ाई बीच में ही छोड़ना पड़ती है।

इसके साथ ही 21.1 प्रतिशत अधिभावकों ने ये माना कि लड़की परिवार की धरेलू जिम्मेदारियों में अहम भूमिका निभाती है। मां के काम करने, बीमा रहने, छोटे बालों की देखभाल करने की जिम्मेदारी के कारण बेटियों अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती है।

विश्व पर्यटन दिवस हर साल 27 सितंबर को मनाया जाता है। वर्ष-2023 की विश्व पर्यटन दिवस की थीम 'पर्यटन और हरित विवेश' है। हर साल बुनियोंटे नेशन वर्ल्ड ट्रॉफी द्वारा किसी एक देश को पर्यटन दिवस के लिए चुना जाता है। आज भी धर्मेंद्र

प्रधान ने हाल ही में ग्रामीण भारत में

प्राथमिक शिक्षा की स्थिति 2023 रिपोर्ट

जारी की है। रिपोर्ट में दिए गए आंकड़े

स्पष्ट तौर पर बताते हैं कि भारत के गांवों में अब बालिका शिक्षा को लेकर उत्साह बढ़ रहा है। जनसंख्या के मामले में भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा राष्ट्र है और भारत में लड़कियों की शिक्षा की दर बहुत कम है। लड़कों की तरह लड़कियों की भी विभिन्न प्रकार की शिक्षा देना जरूरी है। उनकी शिक्षा इस तरह से होनी चाहिए कि वे अपने कर्तव्यों को उत्तित तरीके से पूरा करने में असक्त हों। उनकी शिक्षा देने के लिए विश्व पर्यटन दिवस के लिए चुना जाता है। आज भी धर्मेंद्र

प्रधान ने हाल ही में ग्रामीण भारत में

प्राथमिक शिक्षा की स्थिति 2023 रिपोर्ट

जारी की है। रिपोर्ट में दिए गए आंकड़े

स्पष्ट तौर पर बताते हैं कि भारत के गांवों में अब बालिका शिक्षा को लेकर उत्साह बढ़ रहा है। जनसंख्या के मामले में भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा राष्ट्र है और भारत







ममता बनर्जी ने एशियाई खेलों में भारतीय पदक विजेताओं को दी बधाई



भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने सोमवार को श्रीलंका को 19 रन से हराया भारत को एशियाई खेलों में दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजों करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 116 रन बनाए। जब उन्होंने के लिये का पीछा करने उत्तरी श्रीलंका टीम की शुरूआत खारब रही और तितास संघर्ष ने केवल 14 रनों के स्कोर पर कपातन चमगारी अटूपड़ू (12), अनुष्का संजिवी (01) और विश्वा गुनारते (00) को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद हसीनी पर्सा और नीलाक्षी डी सिल्वा ने श्रीलंका का स्कोर 50 तक पहुंचाया। 50 के कल स्कोर पर राजेश्वरी गायकवाड़ ने हसीनी को आउट कर भारत को चौथी सफलता दिलाई। हसीनी ने 22 गेंदों पर 4 चौके और 1 छाके की बदौलत 25 रन बनाए। 17 वें ओवर में 78 के कुल स्कोर पर पूजा ने नीलाक्षी को आउट कर भारत की पांचवीं सफलता दिलाई। नीलाक्षी ने 34 गेंदों पर 1 चौके और 1 छाके की बदौलत 23 रन बनाए। 18 वें ओवर में दीपी शर्मा ने 86

## एशियाई खेल: महिला क्रिकेट टीम ने भारत को दिलाया दूसरा स्वर्ण श्रीलंका को 19 रन से हराया



के कल स्कोर पर ओशनी रानासंधि को आउट कर भारत को छठी सफलता दिलाई। रानासंधि ने 19 रन बनाए। 19 वें ओवर की असियरी गेंद पर 92 के कुल स्कोर पर देविका वैद्य ने विकेट दिलायी। राजेश्वरी गायकवाड़ ने हसीनी को आउट कर भारत को चौथी सफलता दिलाई। कपिला ने 5 रन बनाए। राजेश्वरी गायकवाड़ ने 20 वें ओवर की 5वीं गेंद पर सुर्दिका कुमारी को आउट कर कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। श्रीलंका ने 8 विकेट 97 रन ही बना सकी और 19 रन से हारकर रजत पदक पर कब्जा किया। भारत की तरफ

से तितास संघर्ष ने 3, राजेश्वरी गायकवाड़ ने 2, दीपी शर्मा, पूजा वस्त्राकर और देविका वैद्य ने 1-1 विकेट लिया। इससे पहले इस मैच में बलौर भारतीय कपातन वापसी कर रही हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम की शुरूआत खारब रही और केवल 16 रन पर शैफाली वर्मा 9 रन बनाकर सुर्दिका कुमारी का शिकार बनी। मंधाना और बल्लेबाजों का आना-जाना शुरू हो गया। भारतीय टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 116 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से मानवा ने 46 और जेमिमाह ने 42 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी भारतीय बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सका। श्रीलंका की तरफ से इनोका रानाविरा का शिकार बनी। मंधाना के आउट होने के बाद तेजी से रन बनाने के चक्रकर में भारतीय बल्लेबाजों का आना-जाना शुरू हो गया। भारतीय टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 116 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से मानवा ने 46 और जेमिमाह ने 42 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी भारतीय बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सका। इसके बाद स्फूर्ति मंधाना और जेमिमाह रॉइंग्स ने 3 संभलकर खेलते हुए भारत का स्कोर 89 रन तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर विकेट लिया।

## राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम उदयपुर रवाना

नवीन मेल संचादाता। रांची झारखंड दिव्यांग पुरुष क्रिकेट टीम जो डिफेंस एक्ट बल्लेबाजों की सील अंक इंडिया द्वारा अयोजित थर्ड नेशनल फिजियोलॉजी ट्रेनिंग विवाहिती द्वारा उन्हें लेने उदयपुर रवाना देने से हुई। इस मौके पर इस टीम ने जीत कर झारखंड का फैसिलिटेशन कार्यक्रम हैपी फीट स्कूल में आयोजित किया गया कार्यक्रम में सुख अतिविश्वास झारखंड प्रदेश कार्यक्रम के अध्यक्ष राजेश ठाकुर, झारखंड डिफेंस एक्ट बल्लेबाजों का आना-जाना शुरू हो गया। भारतीय टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 116 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से मानवा ने 46 और जेमिमाह ने 42 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी भारतीय बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सका। इसके बाद स्फूर्ति मंधाना और जेमिमाह रॉइंग्स ने 3 संभलकर खेलते हुए भारत का स्कोर 89 रन तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर विकेट लिया।



सिंतबर से 8 अक्टूबर तक झारखंड टीम से जयवंश टीम जो आयोजित राजस्थान के बहुत उम्मीद करते हैं कि वह उम्मीद प्रतियोगिता जीत कर चैम्पियन होगी। झारखंड का 16 सदस्य टीम में मानव कुमार, बब्बन सिंह, सुनील कुमार और संदीप साहू शामिल है। मानव कुमार के नेतृत्व में झारखंड टीम की 16 सदस्य टीम टीम में चार अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, उपराष्ट्रीय जग्नु, सचिव कैप्टन मनीष कुमार, बब्बन सिंह, सुनील कुमार और संदीप साहू शामिल है। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर, झारखंड डिफेंस एक्ट बल्लेबाजों का आना-जाना शुरू हो गया। भारतीय टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 116 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से मानवा ने 46 और जेमिमाह ने 42 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी भारतीय बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सका। इसके बाद स्फूर्ति मंधाना और जेमिमाह रॉइंग्स ने 3 संभलकर खेलते हुए भारत का स्कोर 89 रन तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर विकेट लिया।

झारखंड टीम में चयन किए गए हैं। झारखंड दिव्यांग टीम से झारखंड को बहुत उम्मीद है और मैं इस प्रतियोगिता जीत कर चैम्पियन होगी। झारखंड का 16 सदस्य टीम में मानव कुमार, बब्बन सिंह, सुनील कुमार और संदीप साहू शामिल है। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी जग्नु, सचिव कैप्टन मनीष कुमार, बब्बन सिंह, सुनील कुमार और संदीप साहू शामिल है। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर, झारखंड डिफेंस एक्ट बल्लेबाजों का आना-जाना शुरू हो गया। भारतीय टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 116 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से मानवा ने 46 और जेमिमाह ने 42 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी भारतीय बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सका। इसके बाद स्फूर्ति मंधाना और जेमिमाह रॉइंग्स ने 3 संभलकर खेलते हुए भारत का स्कोर 89 रन तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर विकेट लिया।

## भारत और पाक मैच के प्रति दीवानगी में रिकार्ड बढ़ोत्तरी

एजेंसी। नई दिल्ली



भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में खेला गया एशिया कप सुपर फॉर्म का विश्व कप के अलावा अब तक का सबसे ज्यादा रेटिंग वाला बड़े मैच बन गया है। एशिया कप 2023 के आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने भारत में खेल देखने के लिए एक रिकार्ड मील का पथर्या का फाइनल को छोड़कर दूनमिट 99 रनों की शानदार विजय हासिल की। अधिकारी गेंद पर 6.4 भिन्नियां देखी और अधिक एशिया कप 2023 के आधिकारिक अधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने देखा जो अब तक का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला संकरण बन गया है। स्टार स्पोर्ट्स के विजेता ने देखा कि दूनमिट में गैर-भारत मैचों के लिए लाइव मैच रेटिंग (टीवीआर) में भी 73.5 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एशिया कप का रिकार्ड दर्शकों की संख्या विश्व कप के दौरान को छोड़कर दूनमिट में गैर-भारत मैचों के लिए लाइव मैच रेटिंग (टीवीआर) में भी 75 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एशिया कप का रिकार्ड दर्शकों की संख्या विश्व कप के दौरान को छोड़कर दूनमिट में गैर-भारत मैचों के लिए लाइव मैच रेटिंग (टीवीआर) में भी 73.5 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एशिया कप का रिकार्ड दर्शकों की संख्या विश्व कप के दौरान को छोड़कर दूनमिट में गैर-भारत मैचों के लिए लाइव मैच रेटिंग (टीवीआर) में भी 75 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एशिया कप का रिकार्ड दर्शकों की संख्या विश्व कप के दौरान को छोड़कर दूनमिट में गैर-भारत मैचों के लिए लाइव मैच रेटिंग (टीवीआर) में भी 73.5 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एशिया कप का रिकार्ड दर्शकों की संख्या विश्व कप के दौरान को छोड़कर दूनमिट में गैर-भारत मैचों के लिए लाइव मैच रेटिंग (टीवीआर) में भी 75 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एशिया कप का रिकार्ड दर्शकों की संख्या विश्व कप के दौरान को छोड़कर दूनमिट में गैर-भारत मैचों के लिए लाइव मैच रेटिंग (टीवीआर) में भी 73.5 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एशिया कप का रिकार्ड दर्शकों की संख्या विश्व कप के दौरान को छोड़कर दूनमिट में गैर-भारत मैचों के लिए लाइव मैच रेटिंग (टीवीआर) में भी 75 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एशिया कप का रिकार्ड दर्शकों की संख्या विश्व कप के दौरान को छोड़कर दूनमिट में गैर-भारत मैचों के लिए लाइव मैच रेटिंग (टीवीआर) में भी 73.5 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एशिया कप का रिकार्ड दर्शकों की संख्या विश्व कप के दौरान को छोड़कर दूनमिट में गैर-भारत मैचों के लिए लाइव मैच रेटिंग (टीवीआर) में भी 75 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एशिया कप का रिकार्ड दर्शकों की संख्या विश्व कप के दौरान को छोड़कर दूनमिट में गैर-भारत मैचों के लिए लाइव मैच रेटिंग (टीवीआर) में भी 73.5 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एशिया कप का रिकार्ड दर्शकों की संख्या विश्व कप के दौरान को छोड़कर दूनमिट में गैर-भारत मैचों के लिए लाइव मैच रेटिंग (टीवीआर) में भी 75 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एशिया कप का रिकार्ड दर्शकों की संख्या विश्व कप के दौरान को छोड़कर दूनमिट में गैर-भारत मैचों के लिए लाइव मैच रेटिंग (टीवीआर) में भी 73.5 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एशिया कप का रिकार्ड दर्शकों की संख्या विश्व कप के दौरान को छोड़कर दूनमिट में गैर-भारत मैचों के लिए लाइव मैच र